# वायरोवोर

शोधकर्त्ताओं ने पहले ज्ञात **"वायरोवोर" अथवा एक जीव की खोज की है जो वायरस का भक्षण करता है।**

- **खाद्य शृंखला में वायरस की भूमिका संबंधी** नए निष्कर्ष सूक्ष्म स्तर पर हमारी सोच और समझ को बदल सकते हैं।

**वायरोवोर:**

- इसकी पहचान **प्रजीव (Protist) की एक वास्तविक प्रजाति के रूप में की गई है** जो वायरस का भक्षण करता है।
- वायरस का भक्षण करने वाले प्रजीवों की इन प्रजातियों को **वायरोवोर** के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- **यह हेल्टेरिया की एक प्रजाति है,** ऐसे **सूक्ष्म सिलियेट्स** जो प्रायः मीठे पानी में रहते हैं।
    - सूक्ष्म जीव हेल्टेरिया प्रजीव का एक सामान्य जीनस है जो अपने बालों जैसी सिलिया के रूप में पानी में चलने के लिये जाना जाता है।
- वे न्यूक्लिक एसिड, नाइट्रोजन और फास्फोरस से बने होते हैं। ये**बड़ी संख्या में उन संक्रामक क्लोरोवायरस** का भक्षण कर सकते हैं **जो उनके साथ जलीय निवास स्थान को साझा करते हैं।**
    - क्लोरोवायरस सूक्ष्म हरे शैवाल को संक्रमित करने के लिये जाने जाते हैं।
- ये जीव स्वयं को **विषाणुओं के साथ** बनाए रख सकते हैं, **कई का उपभोग कर सकते हैं और आकार में बढ़ सकते हैं।**
- वायरस-केवल आहार, जिसे "विरोवरी" कहा जाता है, **शारीरिक विकास और यहाँ तक कि जीव की जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा देने के लिये पर्याप्त है।**

## [स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/virovore